अध्यक्षीय संबोधन

प्रिय शेयरधारकों,

आपको कंपनी की छत्तीसवीं आम सभा में आपका स्वागत करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है। हम उत्पादन का 50वाँ वर्ष मना रहे हैं इसलिए यह बैठक बहुत खास है। 3 फरवरी, 1959 को भारत के राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने राउरकेला इस्पात संयंत्र की पहली धमनी भट्ठी और इसके अगले दिन भिलाई इस्पात संयंत्र की पहली धमनी भट्ठी राष्ट्र को समर्पित की थी। सेल को एक सुदृढ़ और जोशीला संगठन बनाने के लिए इस स्वर्णिम यात्रा में हमारे कर्मचारियों और सेल से जुड़े अन्य सभी स्टेकहोल्डरों का बहुत योगदान रहा है।

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि वर्ष 2007–08 के दौरान आपकी कंपनी ने उत्पादन के नए रिकॉर्ड कायम किए हैं और रिकॉर्ड कारोबार और लाभ सहित 15 मिलियन टन तप्तधातु, 14 मिलियन टन परिष्कृत इस्पात और 13 मिलियन टन विक्रेय इस्पात का उत्पादन किया है। इस निष्पादन के आधार पर सेल बोर्ड ने इस वर्ष में पहले ही भुगतान किए जा चुके 19 प्रतिशत अंतरिम लाभांश के अलावा प्रदत्त पूंजी पर 18 प्रतिशत अंतिम लाभांश की शिफारिश की है और कुल लाभांश अब तक का सर्वाधिक 37 प्रतिशत हो गया है।

पिछले वर्ष लगभग यही समय था जब हम अमरीकी सब–प्राइम संकट के पूरे प्रभाव और साथ ही वैश्विक कारोबारी माहौल पर इसके प्रभाव को समझने की कोशिश कर रहे थे। आम राय यह थी कि विश्व अर्थव्यवस्था में मंदी आएगी क्योंकि विकसित विश्व पर इस समस्या का शिकंजा कस गया है। किंतु चीन, भारत तथा अन्य उभर रही अर्थव्यवस्थाओं में लगातार हो रहे विकास से इसका समग्र प्रभाव सामान्य ही रहेगा।

अभी तक विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं में प्रत्याशित गिरावट का दौर दिखाई नहीं दिया है जैसी कि पहले उम्मीद की जा रही थी। तथापि, वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकास में आई मंदी से वस्तुओं की कीमतें बहुत अधिक रही हैं। सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में कुछ कमी के बावजूद भारत विश्व की तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहा। तथापि, देश में मुद्रास्फीति के कारण सामने आ रही और बड़ी हो गई है।

वैश्विक इस्पात उद्योग

वर्ष 2000 के प्रारंभ में वैश्विक अर्थव्यवस्था में खासे विकास सहित इस्पात उद्योग के लिए सबसे अच्छा समय रहा है। वास्तव में पिछले 5 वर्षों में इस्पात उद्योग की औसत विकास दर 7 प्रतिशत से अधिक रही है और पिछले 3 दशकों में 5 वर्षों के ब्लॉक में यह सबसे तेज ही है।

वर्ष 2008 और 2009 के लिए परिसज्जित इस्पात की मांग में 6 प्रतिशत से अधिक अनुमानित बढोतरी सहित वैश्विक इस्पात उद्योग में विकास की संभावनाएं अच्छी बनी रहीं। विश्व के अपरिष्कृत इस्पात के उत्पादन में वर्ष 2008 के पहले 7 माह में 6.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

हाल ही में विश्व अर्थव्यवस्था में धातुओं सहित वस्तुओं की कीमतों में खासी बढ़ोतरी देखी गई। इस्पात के मामले में कीमतों में हुई बढ़ोतरी अच्छी मांग के साथ–साथ कोककर कोयला, लौह अयस्क और फैरो मिश्र आदि जैसे आदानों की अब तक की सर्वाधिक कीमतों के परिणामस्वरूप हुई है। मुख्य आदानो की कीमतों में इस अभूतपूर्व बढ़ोतरी से इस्पात उद्योग के लिए उत्पादन की लागत एक नई ऊंचाई पर पहुँच गई। तथापि, इन कीमतों के बावजूद सुदृढ़ वैश्विक मांग से खपत वाले क्षेत्रों के तेजी से विकास का पता चलता है।

भारतीय इस्पात उद्योग

आपकी कंपनी और भारतीय इस्पात पर आदानों की लागत में तेजी से हो रही बढ़ोतरी का दबाव आ गया है और इसके बावजूद मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए अपने उत्पादों की कीमतों को नियंत्रित करने की जरूरत है। इस्पात की बढ़ रही कीमतों के संबंध में सरकार की चिंता पर उद्योग ने सकारात्मक प्रतिक्रिया जाहिर की है। तथापि, क्योंकि हमारा देश फिर से इस्पात का निवल आयातकर्ता बन रहा है अतः दीर्घकालिक समाधान के रूप में नई उत्पादन क्षमताओं का सृजन अनिवार्य है। इस्पात उद्यमियों के सामने आदान लागत में खासी बढ़ोतरी के बावजूद कीमतों में संतुलन बनाए रखने और आगे निवेश किए जाने के लिए संसाधन जुटाने हेतु मार्जिन को बनाए रखने की चुनौती है। इसी पृष्ठभूमि में हम अपने मौजूदा निष्पादन और भावी योजनाओं को देखते हैं।

[redacted]

मुझे इस बात से बहुत संतुष्टि और गर्व है कि आपकी कंपनी वर्ष दर वर्ष नई ऊंचाईयां छूती जा रही है। 118 प्रतिशत क्षमता उपयोगिता सहित अब तक के अधिकतम उत्पादन बिक्री तथा प्रचालन दक्षता प्रचालों के आधार पर 2007–08 के दौरान रिकॉर्ड कारोबार और लाभ अर्जित किया गया। 2007–08 के दौरान मूल्यवर्धित/विशेष ग्रेड की इस्पात मदों का उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 28 प्रतिशत अधिक हुआ। इस वर्ष के दौरान ऊर्जा खपत में 3 प्रतिशत से अधिक हुआ। इस वर्ष के दौरान ऊर्जा खपत में 3 प्रतिशपत से अधिक की महत्वपूर्ण कमी कर सके। चालू वित्तीय वर्ष में भी लागत में कमी करने पर बल दिया जाता रहा। इसके अतिरिक्त मूल्यवर्धित इस्पात का उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में प्रथम तिमाही में 40 प्रतिशत बढ़ गया। तदनुसार आदान लागतों पर दबाव के बावजूद चालू वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही में लाभप्रदता अब तक किसी भी प्रथम तिमाही के लिए सबसे अधिक है।

तथापि संगठनात्मक उत्कृष्टता वास्तविक और वित्तीय दृष्टि से काफी आगे बढ़ गई जो कि प्रचलनात्मक निष्पादन को उजागर करती है। कारोबार में अप्रत्याशित परिवर्तनों का अनुमान लगाना किसी भी कंपनी के लिए अनिवार्य है और तदनुसार अपने दृष्टिकोण और नीतियों को बदलना अनिवार्य है।

भारतीय इस्पात उद्योग के विकास के रुख में एक बड़ा अवरोध स्पष्ट दिखाई देता है। इसमें कुछ उतार–चढ़ाव आ सकते हैं। जबकि यह स्पष्ट रूप से प्रमाणित हो चुका है कि भारत विकास के इस्पात सघन चरण में प्रवेश कर चुका है। इस्पात की मांग लंबी अवधि तक संभवतः 2 अंकों में अच्छी बनी रहेगी। वर्ष 2015 तक हमारे देश ने विश्व में इस्पात के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक और खपत करने वाले देश के रूप में उभरकर आने का लक्ष्य रखा है।

देश में तीव्र गति से बदलता इस्पात लैंडस्केप विभिन्न चुनौतियों और अवसर ला रहा है। विकास की चुनौतियों से सभी परिचित हैं। आपकी कंपनी विवेकपूर्ण ढंग से तप्त धातु का उत्पादन 26 मिलियन टन करने के लिए अपनी क्षमता के विस्तार की ओर बढ़ रही है। यह सम्मान और गर्व की बात है कि पिछले सप्ताह सेलम सहित सेल के 3 संयंत्रों के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शिलान्यास किया गया है। आपकी कंपनी 2012 के बाद निरंतर विकास के लिए एक ब्लू प्रिंट भी तैयार कर रही है।

हम परम्परागत विपणन के इस्पात में परिवर्तन की प्रत्याशा करते हैं। हिंटरलैंड मांग पर प्रभावी ढंग से कब्जा करने और हमारे गुणवत्ता उत्पादों के लिए ब्रांड साम्या में और अधिक बढ़ोतरी करने के लिए भी आपकी कंपनी ने 2007–08 में 1200 नए जिला स्तरीय डीलर बनाए हैं। इस प्रकार डीलरों की संख्या बढ़कर लगभग 1900 हो गई है। देश के प्रत्येक जिले में वितरण तंत्र स्थापित करके हमने अपनी अलग पहचान बनाई है।

5 सितंबर, 2008 को सेलम, तमिलनाडु में सेल के सेलम इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए शिलान्यास समारोह में श्रीमती सोनिया गांधी, माननीय अध्यक्षा, यूपीए, श्री राम विलास पासवान, माननीय केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक तथा इस्पात मंत्री, श्री तिलि प्रसाद, माननीय केंद्रीय इस्पात राज्य मंत्री तथा अन्य माननीय गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में माननीय प्रधान मंत्री, डॉ. मनमोहन सिंह फलक का अनावरण करते हुए। श्री एस.के. रूँगटा, अध्यक्ष, सेल माननीय प्रधान मंत्री के पीछे दिखाई दे रहे हैं।

इस्पात उत्पादों की पहुँच का विस्तार करने के लिए हमारे अन्य प्रयासें में नए स्टॉकयार्ड खोलना और 6 राज्यों में 9 इस्पात प्रक्रमण इकाइंयां स्थापित करना शामिल है। ये इकाइयां वहाँ स्थापित की जा रही हैं जहाँ इस समय उत्पादन सुविधाएं नहीं हैं। ये इस्पात प्रक्रमण इकाईयां टेलरमेड डाउनस्ट्रीम उत्पादों की मांग को पूरा करने में सहायता करेगी।

चुनौती का अन्य क्षेत्र सुपीरियर ग्रेड का नया इस्पात विकसित करना है जो ग्राहकों के लिए वर्धित मूल्य प्रदान करता है। आपकी कंपनी राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं के लिए आवश्यक गुणवत्ता के इस्पात सहित नए ग्रेड विकसित करने के लिए अग्रणी है। 2007–8 के लिए कुछ नए विकसित उत्पादों में उन्नत जंगरोधी भूकंपरोधी टीएमटी तथा वॉयर रॉड, अधिक स्पीड पर अधिक एक्सल भार के लिए पद्धतियों में अनुप्रयोग के लिए वैनेडियन माइक्रो एलॉयड रेल्स, रक्षा क्षेत्र के लिए स्टील आर्मर प्लेट आदि शामिल है।

आधुनिकीकरण के बाद नई सुविधाओं को चालू करने पर आपकी कंपनी अपने पोर्टफोलियो में वाइड विड्थ प्लेटें, वाइड फ्लेंज बीम, x 100 तक एपीआई ग्रेड स्टील, हैड हार्डन्ड रेल्स आदि जैसे कई नए उत्पाद शामिल कर सकेगा।

कारोबार संबंधी नई पहल

2007–08 के दौरान सहयोग और संयुक्त उद्यमों के जरिए आपकी कंपनी कारोबार संबंधी नई पहलों पर बल देती रही। धमन भट्टी स्लैग का उपयोग करके सीमेंट उत्पादन इकाई की स्थापनाा, घरेलू कोयला खानों का विकास, फैरो मिश्र उत्पादन, रेल परिवहन आदि जैसे क्षेत्रों में सरकारी–निजी तथा सरकारी–सरकारी भागीदारी में वर्ष के दौरान 8 समझौते ज्ञापन तथा 4 संयुक्त उद्यम करार किए गए। विदेशों में कोयला परिसंपत्तियों का अधिग्रहण करने के लिए सेल, आरआईएनएल, सीआईएल, एनटीपीसी और एनएमडीसी की साम्या भागीदारी से एक एसपीपी 'इंटरनेशनल कोल वेंचर्स लिमिटेड' एपीबी बनाया गया है।

सेलम, तमिलनाडु में एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजैड) विकसित किया जा रहा है जिसके लिए भारत सरकार द्वारा औपचारिक मंजूरी दे दी गई है।

कच्चे माल की आपूर्ति सुनिश्चित करना

आपकी कंपनी ने 2007–08 के दौरान अपनी निजी खानों का उत्पादन 7 प्रतिशत बढ़ाकर लगभग 26 मिलियन टन करके अपने इस्पात संयंत्रों के लिए लौह अयस्क की पूर्ण उपलब्धता सुनिश्चित की है। विस्तार के चालू चरण के पश्चात लौह अयस्क की आवश्यकता बढ़कर 42 मिलियन टन हो जाएगी। इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संयंत्रों और खानों के लिंकेज बनाए गए हैं और तदनुसार खानों का विकास करने के लिए योजनाएं बनाई गई हैं। आपकी कंपनी खनन पट्टों के नवीकरण और वन एवं पर्यावरण संबंधी मंजूरी के लिए राज्य सरकार के साथ कार्रवाई कर रही है। इन खानों में विद्यमान प्रचालनों को प्रतिस्थापित करने के लिए हमने किरूबुरू तथा मेघाहाताबुरू में साउथ और सेंट्रल ब्लॉकों को विकसित करने की योजना बनाई है। झारखंड सरकार ने हाल ही में इन ब्लॉकों के लिए अपनी सिफारिश केन्द्र सरकार को भेज दी है। खनिज निक्षेपों की गुणवत्ता और मात्रा का आंकलन करने के लिए सेल खानों के गवेषण हेतु मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लिमिटेड (एमईसीएल) को लगाया गया है। आपकी कंपनी ने निजी धोवनशाला सहित तसरा में 4 मिलियन टन वार्षिक का कोककर कोयला ब्लॉक विकसित करने और सीतानाला कोककर कोयला ब्लॉक का भ विकास करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

बोकारो इस्पात संयंत्र में निर्माणाधीन न्यू सिलोस

पर्यावरण को हरा–भरा बनाना

इस पीढ़ी और भावी पीढ़ी के लिए अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए आपकी कंपनी ने निर्धारित पर्यावरण प्रबंधन योजना पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। क्योटो प्रोटोकोल एग्रीमेंट के क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) के अंतर्गत कार्बेन लाभ प्राप्त करने के लिए सभी संयंत्रों में 71 संभावित परियोजनाएं अभिज्ञात की गई हैं। ऊर्जा और पर्यावरण प्रेमी प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए क्लीन डेवलपमेंट एंड क्लाइमेंट, न्यू इनर्जी एंड इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट आर्गेनाइजोन (एनईडीओ) तथा इंटरनेशनल (आईआईएसआई) के साथ सक्रिय रूप से संबद्ध रहे हैं। यूएनडीपी कार्यक्रम के अंतर्गत सेल के संयंत्रों में ओजोन डिप्लीटिंग सब्सटेंस को फेज आउट करना शुरु कर दिया गया है।

जीवन स्तर सुधारना

आपकी कंपनी का विश्वास है कि यह उपक्रम अंततः समय तक बना रहता है जो समुदाय के लोगों के जीवन स्तर को समृद्ध करना है। हम पहले ही भारत में किसी भी निगमित उपक्रम द्वारा चलाया जा रहा सबसे बड़ा स्वास्थ्य और शिक्षा का ढांचा चला रहे हैं। अपनी सामाजिक जिम्मेदारी लेते हुए आपकी कंपनी ने एक कदम आगे चिकित्सा और स्वास्थ्य सुविधाएं, सड़क, सफाई, आय सृजन योजना आदि सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए योजना आदि सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आदर्श इस्पात गांवों के रूप में 8 राज्यों में 79 गांव विकसित करने के लिए पहल की है और इनमें से 13 गांवों में 2007–08 के दौरान इस प्रकार के कार्य पहले ही पूरे कर लिए गए हैं।

आपकी कंपनी ने खासतौर से उपेक्षित लोगों के लिए अपनी इस्पात बस्तियों में निःशुल्क शिक्षा और स्वास्थ्य केंद्र चालू किए हैं। संपूर्ण देश में चार सौ से अधिक चिकित्सा शिविर लगाए गए जिनमें चार लाख से अधिक जरूरतमंद लोग लाभांवित हुए। विभिन्न खेलकूदों जिनमें एथलिटिक्स, हॉकी, फुटबाल, तीरंदाजी आदि शामिल हैं, में प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए आपकी कंपनी की सुनिश्चित नीति है। आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि बीजिंग ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले श्री सुशील कुमार तथा क्वॉर्टर फाइनल में पहुँचने वाले श्री योगेश्वर दत्त का पता सेल द्वारा ही लगाया गया था और जनवरी, 2010 होने तक उनकी तैयारी के लिए वित्तीय सहायता दी है। इसकी सीएसआर पहलों को मान्यता देते हुए आपकी कंपनी ने वर्ष के दौरान विभिन्न पुरस्कार जीते हैं। इनमें भारत के प्रधानमंत्री द्वारा प्रदत्त "रूरल एंड कम्युनिटी डेवलपमेंट इनीशिएटिव" का प्रतिष्ठित एफआईसीसीआई पुरस्कार भी शामिल है।

उपाधियां

आपकी कंपनी के उत्कृष्ट निष्पादन को उचित मान्यता मिली है और यहां कुछ पुरस्कारों और उपाधियों का विशेष उल्लेख किया जाना जरूरी है। सेल ने वर्ष 2006–07 के लिए 'सरकारी क्षेत्र के प्रबंधन में उत्कृष्ट योगदान' के लिए स्कोप गोल्ड ट्रॉफी हासिल की है। सेल के 51 कर्मचारियों ने सितंबर, 2007 में घोषित किया गया विश्वकर्मा पुरस्कार 2006 हासिल किया है और यह देश में कुल पुरस्कारों का 43 प्रतिशत है। आपकी कंपनी को सीएनबीसी टीवी–18 और वाटसन द्वारा सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता–2007 की उपाधि प्रदान की गई है और साथ ही विनिर्माण क्षेत्र में लागत प्रबंधन 2007 में उत्कृष्टता के लिए आईसीडब्ल्यूएआई राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में आपकी कंपनी का प्रथम स्थान रहा है। सेल के गुणवत्ता दलों ने इंटरनेशनल कनवेंशन ऑफ क्वालिटी सर्कल 2007, बीजिंग में 8 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य पदक हासिल किए हैं और किसी भारतीय कंपनी द्वारा हासिल किए गए ये सर्वाधिक पदक हैं।

निगमित अभिशासन

आपकी कंपनी लोक उद्यम विभाग द्वारा जारी दिशा–निर्देशों सहित विभिन्न कानूनों, विनियमनों और दिशा–निर्देशों के अंतर्गत अपेक्षित पारदर्शिता, प्रकटीकरण और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करके निगमित अभिशासन के उच्चतम मानकों के अनुरूप निगमित अभिशासन के लिए प्रतिबद्ध है।

आभार

मैं वर्ष 2007–08 को उपलब्धियों भरा वर्ष बनाने में दिए गए अत्यधिक सहयोग और प्रोत्साहन के लिए प्रतिष्ठित शेयरधारकों का धन्यवाद करता हूँ। मैं बोर्ड, हमारे शेयरधारकों और सेल परिवार के सभी सदस्यों का उनके द्वारा दिए गए सहयोग के लिए आभारी हूँ। मैं इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार, राज्य सरकारों और अन्य संगठनों तथा संस्थाओं द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूँ।

हम उत्पादन का 50वाँ वर्ष मना रहे हैं। इसलिए हम उन अनेक इस्पात पुरुषों की दूर–दृष्टि, धैर्य तथा दृढ़–निश्चय को सलाम करते हैं जो देश को मजबूत बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं और हर किसी की जिंदगी से सेल को जोड़कर लाखों भारतीयों को जोड़ रहे हैं।

धन्यवाद

(एस.के. रूँगटा)
अध्यक्ष

10 सितंबर, 2008
नई दिल्ली